

॥ श्रीमद्भगवद् गीता - अध्याय - १ तः ९ ॥

1. नीयेना श्लोको अनुवाद सहित समजावो. (गमे ते त्रय) 12

- (1) अपर्याप्तं तदस्माकं बलं भीष्माभिरक्षितम् ।
पर्याप्तं त्विदमेतेषां बलं भीष्माभिरक्षितम् ॥
- (2) कुलक्षये प्रणश्यन्ति कुलधर्माः सनातनाः ।
धर्मे नष्टे कुलं कृत्स्नमधर्मोऽभिभवत्युत ॥
- (3) देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा ।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति ॥
- (4) हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम् ।
तस्मादुत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः ॥
- (5) तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया ।
उपदेक्ष्यति त ज्ञानं ज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनः ॥
- (6) मयाऽध्यक्षेण प्रकृतिः सूयते सचराचरम् ।
हेतुनानेन कौन्तेय जगद्विपरिवर्तते ॥

2. “भगवद्गीता” मां वर्णित देह-आत्मा विवेक अने आत्मान्नी अमरता विशे नोंध लखो.
अथवा 16

2. टूंकनोंध लखो. (गमे ते जे)

- (1) गीतामां कर्मयोग (3) अवतारवाद (5) गीतानी यज्ञभावना
- (2) स्थितप्रज्ञनां लक्षणो (4) अर्जुन विषादयोग

3. नीयेनामांथी गमे ते छ प्रश्नोना अक-जे वाक्योमां जवाज आपो. 12

- (1) भगवद्गीता प्रमाणे भक्तोना करेला प्रकार छे ? क्या क्या ?
- (2) गुडाकेश शब्द कोने माटे वपरायो छे ? तेनो अर्थ समजावो.
- (3) आततायी कोने कहेवाय ?
- (4) अर्जुन द्वारा स्वधर्मनो त्याग थशे तो शुं प्राप्त थशे ?
- (5) लोकसंग्रह अेटले शुं ?
- (6) भगवद्गीताना पांचमा अध्यायनुं नाम शुं छे ?
- (7) मनुष्य क्यारे परम दिव्य पुरुष-परब्रह्मने पामे छे ?
- (8) कृष्ण कर्छ गतिनी वात करे छे ? आ गति केटली छे ?
- (9) श्रीकृष्ण आत्माने केवो ज्ञाछे छे ?
- (10) भगवद्गीतामां केटला अध्याय छे ? भगवद्गीतानी मूलकथा शेमांथी लेवाछे छे ?